

ज. भारत माझी देशों को अनावृत्त वीक्षण 'मोट' के नाम के लिए
लोचिनाम के राजा पितापुत्र II ने 1876 ई. में
भाषीयन जिहा मोट वीक्षण संस्था की स्थापना
में वीक्षण देशों के मध्य भाषी विवादों का शासन की

- फ्रांसीसी ने जाँको की समस्या तथा अन्य विवादों के निपटारे के लिए माँगे की। यह नवंबर 1894 ई. से जून 1895 ई. तक चला। इसमें जाँको ने सभी यूरोपीय राज्यों को आपा-भाँट नोंपाबद्ध की व्यवस्था की के चुनाव सम्मेलन संचालन के लिए एक भाषा की स्थापना हुई।
- बर्लिन सम्मेलन में अफ्रीका के शेषांश व औसत विकास को ध्यान में रखा गया था, लेकिन यूरोपीय राज्यों ने अफ्रीका को आपा-भाँट में बाँटने के कई भयानक प्लान्स बनाए लेकिन कोई एक प्लान नहीं चुना।

विभिन्न यूरोपीय देशों के भूदृष्टि में वर्गीकरण

श्रौत \Rightarrow अल्पीत्या, मोल्का, धूमिल, भाइवी नाल भादि
इत्थेण \Rightarrow मिल मल की

इलेक्ट्रॉन → मिल, ध्वनि, दृश्य, गंध, स्वाद, रस, शक्ति, ताप, प्रकाश, चुंबकत्व, विद्युत, आदि।

અમંતી = ઔષધન, દોષાદિક, પુણ્ય, ગાલકોટ

कुल्लुआल = कुल्लुआल, पूवी मोजाविक